इकाई – 2
शारीरिक शिक्षा का व्यावसायिक आयाम
(Dimension of Physical Education Profession)

शारीरिक शिक्षा में व्यवसाय के विकल्प

भूमिका

प्रायः यह देखा गया हैं कि अनेक देशों में शारीरिक शिक्षा को शिक्षा का अभिन्न अंग नही मानने के कारण मनुष्य के मन में विभिन्न प्रकार के प्रश्न उठते हैं और यह प्रश्न ही मिथ्या धारणा के रूप में ही उभर कर आते हैं। आज से 50 वर्ष पूर्व भारत वर्ष में भी माता–पिता बच्चों को शारीरिक शिक्षा में भाग लेने से वंचित रखते थे। क्योंकि उनका ऐसा मानना था कि बच्चों को खेलने कूदने में मात्र समय बर्बाद होता हैं, बच्चे खेलने से बिगड सकते हैं, अनुशासनहीन हो सकते हैं, शारीरिक शिक्षा में श्रेष्ठ जीवन के लिए कोई मार्ग नही हैं, किन्तु यह सब मिथ्या धारणा अब खारिज हो चुकी हैं, अब समय आ गया हैं कि हम इसके क्षेत्र को जाने व समे कि जहां व्यक्ति आधुनिक समाज में शारीरिक शिक्षा से जुडे व्यवसायों का सम्मान के साथ जीविकोपार्जन का माध्यम बना सकता हैं। आज वर्तमान में शारीरिक शिक्षा में आजीविका के हर क्षेत्र में इतने विकल्प हैं कि युवा वर्ग को यह निर्णय करना होगा की वह कौनसा विकल्प चुनें। इनकों विस्तृत रूप से अनेक वर्गों में विभाजित कर सकते हैं।

1 शिक्षण व्यवसाय
2 कोचिंग व्यवसाय
3 निर्णायक सम्बन्धी व्यवसाय
4 पेशेवर खिलाडी सम्बन्धी व्यवसाय
5 खेल एवं मनोरंजक क्लब प्रबन्धक व्यवसाय
6 खेल पत्रकारिता व्यवसाय
7 स्वास्थ्य सम्बन्धी व्यवसाय
8 खेल फोटो ग्राफी व्यवसाय
9. खेल प्रसारण
10 खेल–सामग्री निर्माण व बिक्री उद्योग आदि
11 योग साधना और चिकित्सा केन्द्र

1 शारीरिक शिक्षा शिक्षण व्यवसाय

शारीरिक शिक्षक प्राथमिक विद्यालय से उच्च माध्यमिक विद्यालय तक के विद्यार्थियों को शारीरिक शिक्षा, शारीरिक दक्षता और सामान्य स्वास्थ्य के बारे में अध्ययन कराते हैं। शारीरिक शिक्षक विद्यार्थियों को शारीरिक प्रशिक्षण, खेलों का आयोजन, खेलों में कोचिंग, एथलेटिक्स व जिम्नास्टिक्स सिखाना आदि मुख्य रूप से करने होते हैं। जिससे विद्यार्थियों में शारीरिक व मानसिक विकास के साथ–साथ एक अच्छे नागरिक का निर्माण भी होता हैं।

2 कोचिंग व्यवसाय

कोचिंग के क्षेत्र में कार्य करने के लिए नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान (NSNIS) केन्द्र पटियाला , गांधीनगर, कोलकाता एवं बेगलुरू में सर्टिफिकेट इन कोचिंग, डिप्लोमा इन कोचिंग, मास्टर डिग्री इन स्पोर्टस , डिप्लोमा इन स्पोर्टस मेडिसिन का पाठ्यक्रम कराया जाता हैं। लक्ष्मी बाई राष्ट्रीय विश्व विद्यालय ग्वालियर (मध्य प्रदेश) के द्वारा भी डिप्लोमा इन कोचिंग के विभिन्न पाठ्यक्रमों का अध्ययन कराया जा रहा है। एक कोच से अपेक्षा की जाती हैं कि वह किसी भी खेल में अपने असीमित ज्ञान से खिलाडियों को तराशने एवं तकनीकी शिक्षा देने का कार्य, साथ ही खिलाडियों के चयन का कार्यक्रम तैयार करने, गति का विश्लेषण करने, खेल का विश्लेषण करने तथा तकनीक का सूक्ष्मता से प्रदर्शन करने और खेल को तकनीकी रूप से बढावा देने के लिए कोच के पास पर्याप्त ज्ञान होना चाहिए। वर्तमान मे विभिन्न खेल संघों द्वारा कोचिंग का लाईसेन्स दिया जाता हैं।

3 निर्णायक व्यवसाय (रेफ्ररी)

खिलाडियों के लिए निर्णायक व्यवसाय का कार्य एक सरल तरीके से हो सकता हैं। वर्तमान में राष्ट्रीय व अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर निर्णायक की भूमिका निभाने पर भी अच्छा धनोपार्जन किया जा सकता हैं। निर्णायक बनने के लिए खेल नियमों की वृहद जानकारी होना आवश्यक हैं, साथ ही इन नियमों का खेल के मैदान में वास्तविक क्रियान्वयन करके निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। खेल संघों द्वारा समय–समय पर निर्णायकों की परीक्षा ली जाती हैं, जिसमें उत्तीर्ण होने पर शारीरिक परीक्षण से गुजरने के बाद उन्हे निर्णायक का प्रमाण पत्र जारी कर निर्णायक का दर्जा दिया जाता हैं। एक अच्छे निर्णायक को खेल सामग्री, खेल उपकरण, खेल मैदान की जानकारी के साथ–साथ खेल कार्यक्रम आदि का भी ज्ञान होना चाहिए।

4 पेशैवर खिलाडी व्यवसाय

पेशेवर खिलाडी वह खिलाडी हैं जो खेल से अपना जीविकोपार्जन करते हैं। पेशेवर खिलाडी विभिन्न जिलों, क्षेत्रों व अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के बाद अपनी प्रतिष्ठा को बनाते व संवारते हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाडी अपने देश का प्रतिनिधित्व करते हैं, पेशेवर क्लबों व विभिन्न संघों से भी खेलते हैं। जिससे उन्हे अच्छा धन प्राप्त होता हैं। पेशेवर खिलाडियों के वेतन उनके वास्तविक प्रदर्शन पर निर्भर करता हैं। अतः पेशेवर खिलाडी व्यवसाय भी वर्तमान में अच्छा व्यवसाय हैं।

5 खेल एवं मनोरंजक क्लब प्रबन्धक व्यवसाय

शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में खिलाडियों के व्यक्तित्व में एक ऐसी नेतृत्व क्षमता का निर्माण हो जाता हैं, जिसके द्वारा वह किसी भी खेल या मनोरंजन क्लबों में प्रबन्धक के रूप में अपनी सेवाऐं दे सकता हैं। खिलाड़ी अपने खेल जीवन में विभिन्न प्रकार के क्लब/संस्थान आदि से भली भांति परिचित हो जाते हैं साथ ही खेल प्रबन्धन, नेतृत्व के कुशल गुण उसे अच्छे प्रबन्धक के रूप में स्थापित करने में सहायक होते हैं।

6 खेल पत्रकारिता व्यवसाय

शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में पुस्तक लिखने के कॅरियर मे विशेषरूप से भारतवर्ष में काफी अच्छे अवसर उपलब्ध हैं। भारत वर्ष में शारीरिक शिक्षा व इस से सम्बन्धित उप विषयों की पुस्तकों की भारी कमी हैं, कुछ शारीरिक शिक्षा शास्त्री जिन्हें शारीरिक शिक्षा के विभिन्न उप विषयों जैसे खेल जीव यान्त्रिकी, खेल समाज शास्त्र, खेल चिकित्सा शास्त्र, व्यायाम, शरीर क्रिया विज्ञान, खेल शिक्षा शास्त्र, अनुसंधान पद्धतियों, खेल मनोविज्ञान, खेल प्रबन्धन आदि के बारे में जो ज्ञान रखते हैं , इसके बारे में पाठ्य

पुस्तकें लिखकर भी अर्थोपार्जन कर सकते हैं। इस व्यवसाय को अपनाने के लिए विशेष रूप से गहरा ज्ञान, ध्यान केन्द्रित करने की शक्ति व लेखन कला की प्रतिभा का होना अत्यन्त आवश्यक हैं ।

7 स्वास्थ्य सम्बन्धी व्यवसाय

पिछले दो दशकं के दौरान स्वास्थ्य की जागरूकता में बहुत तेज गति से वृद्धि हुई हैं। आजकल व्यक्ति स्वास्थ्य के बारे में काफी सचेत हो चुके हैं। वे स्वस्थ एवं हष्ट–पुष्ट रहना चाहते हैं। वे विभिन्न रोगों व विकारों से जैसे उक्त रक्तचाप, दय रोग, मोटापा, मधुमेह आदि से दूर रहना चाहते हैं। वास्तव में वे स्वास्थ्य के महत्व को सम चुके हैं। प्रत्येक व्यक्ति स्वस्थ जीवन शैली अपनाना चाहता है। इसलिए हाल के वर्षो में शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में स्वास्थ्य से संबंधित कैरियर के अवसरों में काफी विस्तार हो चुका है ।

स्वास्थ्य से सम्बन्धित रोजगारों के अवसरों के अन्तर्गत स्वास्थ्य एवं भार नियंत्रण क्लबों का सबसे पहला महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं। पिछले दशक के दौरान स्वास्थ्य एवं भार नियंत्रण क्लबों की संख्या में बहुत तेजी से बढ़ोतरी हुई हैं ये हेल्थ क्लब व्यक्तियों के शारीरिक रूप से पुष्ट होने व व्यवस्थित आकृति रखने व सबसे अच्छा दिखाई देने जैसी इच्छाओं पर आधारित खोले गये हैं। जहां पर विभिन्न प्रकार के यंत्रो द्धारा व्यायाम करवाया जाता हैं, साथ ही संतुलित एवं पौष्टिक आहार सम्बन्धी जानकारी भी यहां दी जाती हैं। वर्तमान में शहरों में इस प्रकार के क्लब व जिम संचालित हैं, जिसमें हजारों बालक युवा व वृद्धजन स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। इस प्रकार क्लब व जिम संचालक इस व्यवसाय में अच्छा पैसा कमा रहे हैं।

8 खेल फोटोग्राफी व्यवसाय

खेल फोटोग्राफी व्यवसाय भी काफी प्रचलित हो रहा है ऐसे व्यवसाय के लिए फोटोग्राफी की प्रतिभा का होना भी अनिवार्य हैं। खेल फोटोग्राफरों के लिए समाचार पत्रों खेल मैगजीन (जैसे स्पोर्टस वीक, स्पोर्टस वर्ड, खेल खिलाड़ी, खेलजगत) आदि के साथ कार्य करने के काफी अच्छे अवसर उपलब्ध हैं ।

9 खेल प्रसारण

खेल प्रसारण भी एक अच्छा व्यवसाय बन चुका हैं। रेडियो, दूरदर्शन के स्टेशनों जिनमें स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय स्तरों के केबल टेलीविजन शामिल हैं। इनमें व्यवसाय के अच्छे अवसरों को तलाशा जा सकता है।

10 खेल उपकरण निर्माण एवं बिक्री उद्योग

खेल उपकरण निर्माण उद्योग वर्तमान में बहुत ही महत्वपूर्ण हो गया हैं जिसमें विभिन्न खेलों के उपकरण निर्माण हेतु देश में विभिन्न कारखानें/फैक्ट्रियाँ खुल चुकी है जो अन्तर्राष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रख कर खेल उपकरण का निर्माण कर रहे हैं। इसके साथ–साथ विभिन्न प्रकार के ट्रेक सूट, टी –शर्ट, स्पोर्ट्स किट, जूतें, स्वीम सूट आदि का निर्माण कर रहे हैं। इस व्यवसाय से जुडें व्यवसायी अनुसंधान व डिजाईन का ज्ञान प्राप्त कर नये प्रकार के स्पोर्ट्स किट निर्माण कर रहे हैं जिनकी आज बाजार में जबरदस्त मांग हो रही हैं। साथ ही शहरों में खेल उपकरण बिक्री प्रतिष्ठान स्थापित हो चुके हैं, जिनमें हजारों श्रमिक कार्य कर अच्छा धनोपार्जन कर रहे हैं।

11 योग साधना एवं चिकित्सा केन्द्र

पिछले एक दशक से योगासन, ध्यान, प्राणायाम आदि की ओर आम जनता का रूान काफी बढा हैं। हर व्यक्ति अपने आप को स्वस्थ रखने, सुन्दर सुडौल दिखने के लिए योग को अपना रहे हैं।

वर्तमान में योग ध्यान साधना केन्द्र हर शहर व कस्बे में खुले हुए हैं, जहां योग्य प्रशिक्षकों द्वारा योगक्रियाऐं करवाई जाती हैं। जहां हजारों व्यक्ति इन केन्द्रों पर जाकर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। **योग गुरू स्वामी रामदेव** ने **पतंजलि योग** को भारत में ही नही बल्कि विश्व स्तर तक पहुचांया हैं। **श्री श्री गुरू रविशंकर** द्वारा **आर्ट ऑफ लिविंग** के माध्यम से भी योग का प्रचार–प्रसार हो रहा हैं।

21 जून 2015 को प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया था। इस अवसर पर विश्व क अधिकतर देशों में योग दिवस का आयोजन किया गया। दिल्ली में एक साथ हजारं लोगों ने योग का प्रदर्शन किया। इसमें क देशों के प्रतिनिधि मौजूद थे। इस अवसर पर भारत ने दो विश्व रिकॉर्ड बना '' गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड '' में अपना नाम दर्ज करा लिया हैं। पहला रिकॉर्ड एक जगह पर सबसे अधिक लोगों के योग करने का बना तो दूसरा एक साथ सबसे अधिक देशों के लोगों के योग करने का बनाया। विभिन्न विश्वविद्यालय एवं लोनावाला महाराष्ट्र में योग सेन्टर से योग प्रशिक्षण कोर्स करवाये जा रहे हैं। प्रशिक्षण प्राप्त छात्र विश्वविद्यालय में नेट/स्लेट की परीक्षा में भी सम्मिलित हो रहे हैं।

जीविकोपार्जन के लिए मार्ग

भूमिका

आज युवावर्ग के लिए शारीरिक शिक्षा के माध्यम से जीविका उपार्जन के विभिन्न मार्ग हैं। अपनी शैक्षिक व शारीरिक योग्यता के आधार पर कोई भी व्यवसायिक मार्ग अपना कर जीविका उपार्जन कर सकते हैं। आज अनेक देशों में इस शिक्षा के कार्यक्रमों की अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिताओं की संख्या दिनों दिन बढ रही हैं। ऐसी स्थिति में शारीरिक शिक्षा शिक्षक, प्रशिक्षक की भी दिनों दिन मांग बढ़ने लगी हैं। प्रशिक्षण की दृष्टि से अनेक महाविद्यालय खुल चुके हैं, जहाँ पर तीन वर्ष व दो वर्ष का प्रशिक्षण प्राप्त किया जा सकता हैं।

लगभग 100 वर्ष पूर्व शारीरिक शिक्षा पूर्व सैनिकों और बैण्ड मास्टरों द्वारा संचालित की जाती थी। उस समय में शारीरिक ड्रिल और खेल प्रतियोगिताओं को ही महत्व दिया जाता था। सन् 1920 में **वाई.एम.सी.ए. शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय मद्रास** ने भारत में पहली बार शारीरिक शिक्षा के प्रमाण पत्र कोर्स चलाना प्रारम्भ किया। सन 1957 तक इस क्षेत्र में वाई.एम.सी.ए. ने सर्वोच्च स्थान बनाए रखा। सन् **1957 में लक्ष्मी बाई शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय ग्वालियर** का गठन हुआ जिसमें 3 वर्षीय स्नातक की डिग्री प्रारम्भ हुई। यह भारत में पेशेवर शारीरिक शिक्षक समाज को उपलब्ध कराने लगें। इसी समय पंजाब राजकीय महाविद्यालय **पटियाला** में भी 3 वर्षीय पाठ्यक्रम शुरू किया। दूसरी ओर **अमरावती** महाराष्ट्र में हनुमान व्यायाम प्रसार मण्डल में भी शारीरिक शिक्षा के कोर्स प्रारम्भ किये। इस प्रकार शारीरिक शिक्षा के जगत में एक नया आयाम स्थापित हुआ।

शिक्षण संस्थाओं में जीविका उपार्जन के मार्ग

प्राथमिक विद्यालय से महाविद्यालय व विश्वविद्यालयों तक शारीरिक शिक्षा शिक्षण संबंधी कार्य के बहुत अवसर उपलब्ध हैं। महाविद्यालयों में शारीरिक शिक्षा के अनेक व्यवसायिक कोर्स हैं जैसे सर्टिफिकेट इन फिजिकल एजुकेशन, डिप्लोमा कोर्स इन फिजिकल एजुकेशन, बी.पी.एड., एम.पी.एड., एम.फिल आदि। शारीरिक शिक्षा में डॉक्टर ऑफ फिलोसफी की उपाधि विश्वविद्यालयों व कुछ प्रसिद्ध महाविद्यालयों में होती है।

प्रशिक्षक रूप में

शारीरिक शिक्षा में शिक्षण के साथ–साथ प्रशिक्षण का भी महत्वपूर्ण स्थान हैं । एक शारीरिक

शिक्षक शिक्षण के साथ–साथ प्रशिक्षण का कार्य भी करता हैं। लेकिन एक पक्ष प्रशिक्षण को ही मुख्य व्यवसाय के रूप में अपनाते हैं। प्रशिक्षण के अवसर विद्यालयी व गैर विद्यालयी परिवेश दोनों जगह उपलब्ध होते हैं। माध्यमिक विद्यालयों, उच्च माध्यमिक विद्यालयों, उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों (विशेष रूप से पब्लिक स्कूलो में) महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों में प्रशिक्षण देने हेतु नौकरी के काफी अच्छे अवसर उपलब्ध हैं। विद्यालय स्तर पर एक प्रशिक्षक की आवश्यकता शारीरिक शिक्षा के शिक्षण व खेल प्रशिक्षण के लिए होती हैं किन्तु कुछ प्रशिक्षकों की नियुक्ति केवल खेल प्रशिक्षण के ही लिए होती हैं, पब्लिक स्कूल में अधिकांश टीम प्रशिक्षकों को ही नियुक्त किया जाता हैं जिससे खेल की टीमें अच्छी तैयार हो सकें। विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में भी खेल प्रशिक्षकों की नियुक्ति की जाती हैं।

राज्य क्रीड़ा परिषद, नेहरू युवा केन्द्र व स्पोर्ट्स आथॉरिटी ऑफ इंडिया, भारतीय सेना के तीनों अंगों में, राष्ट्रीयकृत बैंको में, डाक तार विभाग, ए.जी. कार्यालय, राज्यों की पुलिस, कुछ प्राईवेट क्षेत्रों में जैसे सहारा इण्डिया, टाटा समूह, श्री राम रेयन्स आदि भारत के बड़े–बड़े आद्यौगिक घरानों एवं रेलवें में नौकरी के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। व्यवसायिक टीमो, कॉमर्शियल स्पोर्ट्स क्लबों, सार्वजनिक उद्यमों व सरकारी सेक्टर में भी प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध होते हैं। प्रशिक्षण कैरियर के प्रशिक्षक को साक्षात्कार देने योग्य होना चाहिए। उसे समूह के सामने बोलने के लिए भी योग्य होना चाहिए। एक प्रशिक्षक को खेल के नये नियमों तथा वर्तमान प्रवृत्ति से अवगत रहना चाहिए ।

शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में व्यवसायिक तैयारी हेतु राजस्थान व अन्य राज्यों के विभिन्न शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय व विभाग निम्नानुसार हैं।

क्र.स.	विश्वविद्यालय / महाविद्यालय / संस्थान	कोर्स	प्रवेश हेतु योग्यता	कोर्स की अवधि
01	राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर	बी.पी.एड. एम.पी.एड. एम.फिल पी.एच.डी.	स्नातक बी.पी.एड. / बी.पी.ई. एम.पी.एड.(55%) एम.पी.एड.(55%)	2 वर्ष 2 वर्ष 2 वर्ष न्यूनतम 2 वर्ष
02	जय नारायण व्यास वि.वि. जोधपुर	एम.पी.एड. पी.एच.डी.	बी.पी.एड. एम.पी.एड.(55%)	2 वर्ष न्यूनतम 2 वर्ष
03	कोटा वि.वि. कोटा	एम.पी.एड.	बी.पी.एड.	2 वर्ष
04	मोहन लाल सुखाडिया वि.वि. उदयपुर	एम.पी.एड.	बी.पी.एड.	2 वर्ष
05	भूपाल नोबल शा.शि. महा.वि. उदयपुर	बी.पी.ई. बी.पी.एड. एम.पी.एड. पी.एच.डी.	102 स्नातक बी.पी.एड. एम.पी.एड.(55%)	3 वर्ष 2 वर्ष 2 वर्ष न्यूनतम 2 वर्ष
06	दयानन्द महा.वि. अजमेर	बी.पी.ई. बी.पी.एड.	102 स्नातक	3 वर्ष 2 वर्ष

07	राज.शा.शि. महा.वि. जोधपुर	डी.पी.एड. बी.पी.एड.	102 स्नातक	2 वर्ष 2 वर्ष
08	देवीदत्त डालमिया शा.शि. महा. वि. जामडौली, जयुपर	बी.पी.एड.	स्नातक	2 वर्ष
09	सनातन धर्म शा.शि. महा.वि. केकड़ी (अजमेर)	बी.पी.एड.	स्नातक	2 वर्ष
10	द्वारका शा.शि. महा.वि. बीकानेर	बी.पी.एड.	स्नातक	2 वर्ष
11	नारायणी देवी महिला शा.शि. महा. भीलवाडा	बी.पी.एड.	स्नातक	2 वर्ष
12	आदर्श शा.शि.महा.वि.सूरोठ(करौली)	बी.पी.एड.	स्नातक	2 वर्ष
13	भारतमाता शा.शि. महा.वि. बारां	बी.पी.एड.	स्नातक	2 वर्ष
14	कृष्णा शा.शि.महा.वि. मावली (उदयपुर)	बी.पी.एड.	स्नातक	2 वर्ष
15	राणा प्रताप शा.शि. महा. वि. भिण्डर (उदयपुर)	बी.पी.एड.	स्नातक	2 वर्ष

अन्य राज्यों के प्रतिष्ठित संस्थान

क्र.स.	विश्वविद्यालय / महाविद्यालय / संस्थान	कोर्स	प्रवेश हेतु योग्यता	कोर्स की अवधि
01	लक्ष्मी बाई राष्ट्रीय शा.शि. वि.वि. ग्वालियर (मध्यप्रदेश)	बी.पी.एड. एम.पी.एड. एम.फिल पी.एच.डी.	स्नातक बी.पी.एड./बी.पी.ई. एम.पी.एड.(55%) एम.पी.एड.(55%)	2 वष 2 वर्ष 2 वर्ष न्यूनतम 2 वर्ष
02	नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान पटियाला (पंजाब)	कोचिंग में डिप्लोमा	स्नातक	2 वर्ष
03	नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान कोलकाता (प. ब.)	कोचिंग में डिप्लोमा	स्नातक	1 वर्ष
04	नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान बेगलूरू (कर्नाटक)	कोचिंग में डिप्लोमा	स्नातक	1 वर्ष
05	हनुमान व्यायाम प्रसार मंडल अमरावती(महाराष्ट्र)	बी.पी.ई. बी.पी.एड. एम.पी.एड.	102 स्नातक बी.पी.एड.	3 वर्ष 2 वर्ष 2 वर्ष

06	इंदिरा गांधी शा0शि0 व खेल विज्ञान संस्थान नई दिल्ली	बी.एस.बी.इन फिजिकल एजूकेशन एम.पी.एड.,पी.एचडी	102 बी.पी.एड.	2 वर्ष 2 वर्ष
07	लक्ष्मी बाई राष्ट्रीय शा0शि0 महा0वि0 तिरूअनन्तपुरम(केरल)	बी.पी.ई. बी.पी.एड. एम.पी.एड.	102 स्नातक बी.पी.एड.	3 वर्ष 2 वर्ष 2 वर्ष
08	बनारस हिन्दु वि0वि0 वाराणसी (उत्तर प्रदेश)	बी.पी.ई. बी.पी.एड. एम.पी.एड.	102 स्नातक बी.पी.एड.	3 वर्ष 2 वर्ष 2 वर्ष
09	गुरूकुल कांगडी वि0वि0 हरिद्वार (उत्तर प्रदेश)	बी.पी.एड. एम.पी.एड.	स्नातक बी.पी.एड.	2 वर्ष 2 वर्ष

शारीरिक शिक्षा–एक व्यवसाय

वर्तमान समय में शारीरिक शिक्षा व खेल से जुड़े व्यक्तियों का कार्य क्षेत्र काफी बढ चुका हैं। व्यवसाय के नाते जब कोई कार्य करता हैं तो उनमें निश्चित रूप से व्यवसायी के गुण होना आवश्यक हैं। जिसमें निष्पक्षता प्रदर्शन , खिलाडियों व छात्रों पर सकारात्मक दृष्टिकोण, किसी भी स्थिति का सामना करने को तैयार, प्रत्येक विद्यार्थी का दिल जीतने के लिए व्यक्तिगत व्यवहार, सृजनात्मक भाव, गलतियों को स्वीकार करना, माफ करना, छात्रों का सम्मान करना, उच्च अपेक्षा बनाए रखना, खेल भावना का विकास करना इत्यादि हैं।

एक व्यवसायी के रूप में व्यवसायिक नैतिकता होनी चाहिए । शारीरिक शिक्षा पेशेवर को समाज के आम व्यक्ति के प्रति नैतिकता का भाव होना चाहिए, क्योंकी शारीरिक शिक्षा पेशेवर ही आम जनता पर कोई निर्णय लेने में सक्षम होता हैं। पूर्ण प्रशिक्षित शारीरिक शिक्षा व्यवसायी में किसी भी शिक्षण एवं प्रशिक्षण का कार्यक्रम बनाने व उसकों वास्तव में अभ्यास में लाने की क्षमता होनी चाहिए जिससे प्रदर्शन में निरन्तर विकास हो सके। शारीरिक शिक्षा पेशेवर में भी अन्य व्यवसायिक पेशेवर के समान निम्न गुण होने चाहिए ।

1 सिद्धान्त व कौशल पर आधारित ज्ञान

शारीरिक शिक्षा पेशेवर को व्यापक सैद्धान्तिक व कौशल आधारित ज्ञान होना चाहिए। जिसका शारीरिक शिक्षा कक्षाओं व खेल मैदान में बिना किसी बाधा के प्रयोग कर सके।

2 संस्थागत प्रशिक्षण

एक व्यवसायी को निर्धारित पाठ्यक्रम (सैद्धान्तिक व प्रायोगिक कोर्स) कार्य निर्दिष्ट समय में पूर्ण करना अनिवार्य होता है। व्यवसायिक कोर्स में सूक्ष्मता से अध्ययन करना व इसको व्यवहारिक रूप से कार्य क्षैत्र में उपयोग करना चाहिए। जिससे शे़क्षणिक व खेल स्तर में वृद्धि कर सके।

3 लाइसेन्सी अभ्यासकर्ता

वर्तमान युग में विभिन्न संस्थाओं एवं संघों द्वारा लेवल–1, लेवल–2, लेवल–3 की कोचिंग के लाइसेन्स के लिए नियमित अध्ययन करा कर उसका मूल्यांकन कर लाईसेन्स प्रदान किया जाता हैं,

जिसके द्वारा वह व्यवसायी के नाते समाज में कार्य करने के योग्य बन जाता हैं।

4 कार्य स्वायत्ता

व्यवसायी को अपना निजी कार्य क्षैत्र के दायरे में रहते हुए ही अपना कार्य करना चाहिए जैसे शारीरिक दक्षता विशेषज्ञ को कोचिंग में दखलंदाजी नह करनी चाहिए।

5 व्यावसायीक आचरण या आचार संहिता

प्रत्येक व्यवसाय में कोई न कोई आचरण व आचार संहिता होती हैं जिसका पालन करना पडता हैं। नही करने पर उसके विरूद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाती हैं।

6 सार्वजनिक सेवा एवं परोपकारिता

व्यवसाय में जो शुल्क लिया जाता हैं , उसके एवज में इतना कार्य प्रत्येक व्यक्ति को जनता के लाभ के लिए करना ही चाहिए ।

7 उच्च स्थिति पुरस्कार

व्यवसायी निरन्तर कार्य करने के पश्चात शिखर पर पहुंचता हैं और समाज की अपेक्षाऐं भी लगातार उसी गति से बढती हैं। जेसे व्यक्तिगत ट्रेनर एक व्यक्ति विशेष को प्रशिक्षण देता हैं। जिससे उस व्यक्ति की आवश्यकता पूर्ण हो जाती हैं।

उपर्युक्त बिन्दूओं के आधार पर एक शारीरिक शिक्षक में व्यावसायिक गुण होने चाहिए । शारीरिक शिक्षा व्यवसाय ॅचाई तक पॅहुचाने के लिए प्रत्येक व्यवसायी में व्यावसायिक गुणों का विकास होना चाहिए।

व्यवसाय चयन के लिए अभिप्रेरणा और आत्म मूल्यांकन

भूमिका

व्यवसाय चयन के लिए अभिप्रेरणा और आत्म मूल्यांकन एक ऐसा माध्यम हैं जिसके माध्यम से चुना गया व्यवसाय ही वास्तव मे रूचि के अनुकूल होता हैं ओर व्यक्ति उसे अपने स्वप्रेरणा सें अभ्यास करता हैं। जैसे बचपन में जिस व्यक्ति को खेलने में रूचि होती हैं। अगर वह बाद में शारीरिक शिक्षा या कोचिंग को व्यवसाय के रूप मे चयन करता हैं तो वह व्यवसाय के लिए आजीवन अभिप्रेरणा के साथ चलता रहेगा। इसके विपरीत अगर किसी को जबरन किसी व्यवसाय में प्रवेश करा दिया जाए तो उससे लगाव व प्यार के अभाव में व्यक्ति के लिए बो हो जाएगा। एवं वह पूर्ण क्षमता से उसमें योगदान नह दे पाएगा । युवाओं में सक्रिय रहने की स्वभाविक इच्छा होती हैं ओर शारीरिक शिक्षा विशेषज्ञ का उतरदायित्व उन इच्छाओं को बढ़ाना होता हैं। अभिप्रेरणा और आत्म मूल्यांकन की चयन प्रक्रिया में निम्न सिद्धान्तों को ध्यान में रखना चाहिए ।

1 आत्म सम्मान और व्यक्तित्व

व्यक्ति को आत्म सम्मान व व्यक्तित्व के बारे में अवगत होना चाहिए । जैसे अगर व्यक्ति को कोचिंग के क्षेत्र में जाना हैं तो बहुमुखी व्यक्तित्व का होना अत्यन्त आवश्यक हैं।

2 व्यक्तिगत मूल्यों, रूचि, कौशल व योग्यताओं का मूल्यांकन

कोई भी व्यवसाय को चुनने से पूर्व व्यक्ति को अपनी रूचि , कौशल किसी क्षैत्र में विशिष्ट योग्यता और व्यक्तित्व का मूल्यांकन होना आवश्यक है। बिना कौशल से चुना गया व्यवसाय व्यक्तित्व को एक अभिशाप की तरह कोसता रहता हैं।

3 अभिप्रेरणा और आत्म मूल्यांकन के माध्यम से व्यवसाय का निर्णय

अभिप्रेरणा और आत्म मूल्यांकन के माध्यम से व्यवसाय के विभिन्न अवसरों की जानकारी प्राप्त करके उससे वर्तमान व भविष्य में आने वाली उन्नति में पूर्वानुमान लगाना आवश्यक हैं। इस तरह की व्यावसायियों की योजना हमेशा सफल होती हैं।

4 कार्य मूल्यों की पहचान

किसी भी कैरियर पथ को चुनने से पूर्व कार्य मूल्य की पहचान कर लेनी चाहिए जैसे अगर आप योग्य चिकित्सक बनना चाहते हैं, तो उत्कृष्ट कार्य कुशलता ओर सेवा से आपकी प्रतिष्ठा को सम्मान मिल सकता हैं । प्रत्येक व्यक्ति अपने कार्यक्षेत्र या निजी जीवन में कार्य करते हुए व्यक्तिगत मूल्यों का विकास करता हैं। उन मूल्यों को ही समाज में अहमियत दी जाती हैं।

उपरोक्त वर्णित बिन्दूओं से हम यह कह सकते हैं कि व्यक्ति को व्यवसाय के चयन में पूर्ण रूचि शक्ति, योग्यता, लक्ष्य, जीवन शैली और कार्य की प्राथमिकता को महत्व देना चाहिए। मनुष्य में यदि सम्प्रेषण कौशल अच्छा हैं तो वह निश्चित रूप से खेल पत्रकारिता के क्षेत्र में जा सकता हैं। मनुष्य की इच्छा अगर व्यवसाय का रूप में ले ले तो इससे अच्छा व आसान व्यवसाय इस दुनिया में दूसरा नह हो सकता। आज आम आदमी भी स्वास्थ्य व शारीरिक दक्षता के महत्व को स्वीकार कर रहा हैं। विभिन्न प्रकार से शारीरिक शिक्षा एक व्यवसाय बन चुकी हैं और हमारा देश पश्चिम देशों के मुकाबले में किसी तरह से कम नही हैं, इसी अवधारणा में अनेकों व्यवसाय व नोकरियाँ समाज में आ चुकी हैं। जिसमें फिटनेस प्रशिक्षण योग चिकित्सक, जैव यांत्रिकी विशेषज्ञ, खेल मनोविज्ञान व व्यायाम शरीर क्रिया वैज्ञानिक आदि चर्चित पेशेवर हैं। परन्तु जब हम किसी भी व्यवसाय को चुनते हैं तो उस व्यवसाय के बारे में पूर्ण ज्ञान व रूचि होना आवश्यक हैं। तभी व्यवसाय की सार्थकता हैं।

महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

1. शारीरिक शिक्षा से विद्यार्थियों में शारीरिक व मानसिक विकास के साथ–साथ एक अच्छे नागरिक का निर्माण भी होता है।
2. वर्तमान में शारीरिक शिक्षा में आजीविका के हर क्षेत्र में विकल्प विद्यमान है।
3. शारीरिक शिक्षा पेशेवर को व्यापक सैद्धान्तिक व कौशल आधारित ज्ञान होना चाहिए।
4. युवाओं में सक्रिय रहने की स्वाभाविक इच्छा होती है। शारीरिक शिक्षा विशेषज्ञ उन इच्छाओं को बढ़ाता है।
5. कोई भी व्यवसाय को चुनने से पूर्व व्यक्ति को अपनी रूचि, कौशल, विशिष्ट योग्यता एवं व्यक्तित्व का मूल्यांकन होना आवश्यक है।

अभ्यासार्थ प्रश्न

बहु वैकल्पिक प्रश्न :

1. शारीरिक शिक्षा में आजीविका का विकल्प है –

(अ) शिक्षण व्यवसाय, कोचिंग व्यवसाय (ब) निर्णायक संबंधी व्यवसाय, खेल पत्रकारिता
(स) खेल फोटोग्राफी, खेल सामग्री निर्माण (द) उपरोक्त सभी

2. प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया था –

(अ) 21 जून 2015 (ब) 21 जून 2014
(स) 21 अप्रेल 2014 (द) 21 मार्च 2015

लघुतरात्मक प्रश्न

1 क्या शारीरिक शिक्षा एक व्यवसाय हैं टिप्पणी लिखिए।

2 आत्म मूल्यांकन की चयन प्रक्रिया के तीन सिद्धान्तों को समाइये।

3 राजस्थान के दस शारीरिक शिक्षा महाविद्यालयों के नाम लिखिए।

निबन्धात्मक प्रश्न

1 शारीरिक शिक्षा व्यवसायी के गुणों का वर्णन कीजिए।

2 शारीरिक शिक्षा के कौन–कौन से व्यवसाय विकल्प उपलब्ध है सविस्तार वर्णन करें।

3 जीविका उपार्जन के लिए कौन–कन से मार्ग है सविस्तार वर्णन करें।

उत्तरमाला

1. (द) 2. (अ)